RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 29 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 23 दिसम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

नगर निकायों में नए चेहरों पर दांव

उत्तराखण्ड के नगर निकाय चुनावों में हल्द्वानी में ओबीसी सहित कई सीटों पर आरक्षण की अनन्तिम अधिसूचना जारी होने के बाद से नेताओं और पार्टियों में नए चेहरों पर दांव का दबाव है। प्रदेश के 102 निकायों में एक ही तिथि को चुनाव होने हैं। 2018 में में नगर निगम रुड़की सहित कई निकायों में चुनाव नहीं हुए थे, वहाँ एक साल देरी से चुनाव हुए थे लेकिन उनका कार्यकाल अब समाप्त हो चुका है। चुनाव का खाका तैयार होते ही भाजपा और कांग्रेस के उन ताकतबर उम्मीदवारों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है जो मेयर, चैयरमैन जैसी कुर्सी के लिये काफी समय से तैयारी में थे और टिकट न मिलने पर निर्दलीय रूप में भी चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके थे। देखना तो यह है कि समाजसेवा के लिये बहुत सक्रिय दिखाई देने वाले ऐसे नेता अब घरघुस्सू हो जाएंगे या समाज में अपनी सक्रियता पहले की तरह बनाए रखेंगे।

हल्द्वानी नगर निगम की सीट ओबीसी होने पर पचास से ज्यादा पार्टी दावेदार ठण्डे दिखाई दे रहे हैं। किसी न किसी मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया से लेकर बाजार में तेज तर्रार दिखाई देने वाले इन नेताओं के कारण पार्टियां भी उलझन में थीं। देहरादून मेयर पद सामान्य ही है, जिस कारण धुंआधार चुनाव देखने को मिलेगा। पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा नवगठित नगर निगम को महिला आरक्षित किया गया है जिससे नेतागण नई तैयारी में जुट गये हैं। काशीपुर और रुद्रपुर नगर निगम सीटों पर भाजपा कांग्रेस के बीच शक्ति प्रदर्शन के साथ ही उम्मीदवार की प्रतिष्ठा दांव पर रहेगी। ऋषिकेश सीट अनुसूचित जाति और हरिद्वार सीट महिला होने के बाद बड़े नेता अपने पसन्द के चेहरों को आगे कर चुके हैं।

श्रद्धांजलि- नवीन पाठक

हल्द्वानी/गंगोलीहाट। नवीन चन्द्र पाठक का विगत दिवस निधन हो गया। मूल रूप से गंगोलीहाट निवासी पाठक जी न्यू धारानौला अल्मोड़ा में और हाल हल्द्वानी में निवास करते थे। अल्मोड़ा अर्बन बैंक के वरिष्ठ सहयोगी के अलावा अग्रणीय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में वह सक्रिय थे। पिघलता हिमालय अपने वरिष्ठ साथी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

बर्फबारी के बाद ठिठुरन, यलो अलर्ट जारी

कार्यालय प्रतिनिधि

उच्चहिमालय के बाद प्रमुख स्टेशनों में भी बर्फबारी होने पर पहाड़ से तराई तक ठिठुरन हो रही है। चारधाम सहित हर्षिल में इस सीजन की पहली बर्फबारी का पर्यटकों ने स्वागत किया और काश्तकारों ने खुशी जताई। हिमनगरी मुनस्यारी, रानीखेत, लोहाघाट चारों ओर ऊँचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का लुफ्त उठाया। मसूरी, नैनीताल जैसे पर्यटक स्थलों पर सैलानियों ने खुशी मनाई। मौसम विभाग ने शीतलहर का यलो अलर्ट जारी कर दिया है।

बर्फ के कारण थल-मुनस्यारी मार्ग तक बन्द हो गया। कालामुनी के पास से बर्फ की मोटी चादर बिछ गई। बर्फबारी से पर्यटक खुश हैं। धारचूला के दारमा, व्यास औश्र चौंदास घाटी में बर्फबारी से तापमान माइनस तीन डिग्री तक गिर गया। दांतू होमस्टे के संचालक गुड्डू जंग बताते हैं कि ढाकर, विदांग, गर्ब्यांग, गुंजी, कालापानी, नाभीढांग, ज्योलीकांग आदि पोस्टों के पर तैनात सेना और आईटीबीपी के जवान होमस्टे संचालकों व स्थानीय लोगों के साथ मिलकर अपनी जरूरते पूरी कर रहे हैं।

पिथौरागढ़ मुख्यालय से लगे चण्डाक, थलकेदार, कनालीछीना में हल्की बर्फबारी हुई। चम्पावत जिले में शीतलहर के बाद हिमपात होने से किसान खुश हैं। मायावती, एबटमाउण्ट ने सफेद चादर ओढ़ ली है। हिंगलदेवी, क्रान्तेश्वर और मानेश्वर की चोटियों में बर्फ गिरने से ठण्डक तीखी है। जिला उद्यान अधिकारी टी.एन.पाण्डे ने बताया कि फसलों और सब्जियों के लिए बारिश जरूरी है। अल्मोड़ा के ऊँचाई वाले इलाकों, रानीखेत, विनसर में बर्फ की शीत है। वृद्ध जागेश्वर में जमकर बर्फ पड़ी। बागेश्वर जिले के कपकोट के मल्ल औश्र बिचला दानपुर के कर्मी विनायक, बघर, धूर, सोराग, डौला, बदियाकोट, किलपारा, बुंवारी, बीरलबड़ा, हरकोट, बाछम, कीमू, गोगिना, लीती, शामा, सूपी, झूनी, चौड़ास्थल में बर्फबारी हुई। नैनीताल के चीना पीक, टिफिन टॉप, स्नो व्यू, किलबरी, हिमालय दर्शन क्षेत्र में बर्फ पड़ी। जिले के मुक्तेश्वर, धानाचूली और पहाड़पानी मनाघेर में बर्फबारी हुई। अभी सड़कें पाले से रपटने वाली हो चुकी हैं।

उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों व मूलनिवासियों के विकास के लिये पाँचवी अनुसूची की मांग

उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों व मूल निवासियों के विकास के लिये पाँचवी अनुसूची की मांग को लेकर प्रदेश व प्रदेश से बाहर लगातार बैठकों का दौर जारी है। पर्वतीय संगठनों ने इस बात पर चिन्ता जताई है कि उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद भी इसके पीछे की अवधारणा को नहीं समझा जा रहा है।

उक्रांद ने लड़ी है मुख्य लड़ाई : के.आर. सिंह

हल्द्वानी। यूकेडी के वरिष्ठ नेता के. आर. सिंह कहते हैं कि पर्वतीय प्रदेश को लेकर असली लड़ाई उक्रांद ने लड़ी है। सारे अवसर मिलने के बाद भी काशी सिंह ऐरी जैसे विद्वान नेता हमेशा पहाड़ की बात के लिये अडिग रहे हैं। वर्तमान राजनीति में दल भले ही कमजोर दिखाई दे रहा हो लेकिन इसकी लड़ाई कभी कमजोर नहीं होगी। काशीसिंह ऐरी सहित कई नेता काफी उम्र के पड़ाव पर हैं, अब युवाओं को यूकेडी से जुड़ते हुए प्रदेश की बात रखनी चाहिये।

गढ़वाल भवन चण्डीगढ़ में अधिवेशन हुआ

उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों के विकास एवं वहाँ के मूल निवासियों के जल, जंगल, जमीन पर उनके अधिकार, संस्कृति व परम्पराओं के संरक्षण हेतु आवश्यक कानून, पांचवी अनुसूचि व जनजातीय दर्जे की मांग को लेकर गढ़वाल भवन चण्डीगढ़ में अधिवेशन का आयोजन किया गया। जिसमें चण्डीगढ़ व आसपास क्षेत्रों के प्रवासी उत्तराखण्डियों की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व समाजसेवी सम्मलित हुए।

नए भू-कानून पर अगले सत्र में लगेगी मुहर!

देहरादून। प्रदेश में भू-कानून को और सख्त बनाने की तैयारी है ताकि कोई भी इसके उल्लंघन का साहस नहीं कर सके। वर्तमान भू कानून के उल्लंघन के प्राविधानों को अत्यन्त कड़ा किया जा रहा है। अगले बजट सत्र में संशोधित भू कानून पर मुहर लग सकती है।

जमीन खरीद में धोखे के मामले लगातार

हल्द्वानी। भाबर में जमीन खरीद में धोखाधड़ी के कई मामले पकड़ में आ चुके हैं। आयुक्त दीपक रावत के दरबार में इस प्रकार के मामलों की लगातार पकड़ हो रही है। आयुक्त ने मौके पर कुछ बड़े मामले सख्ती करते हुए निपटाए भी हैं। उन्होंने भूमि खरीद-फरोख्त के मामले में बहुत ही सावधानी का सुझाव देते हुए कहा कि भूमि खरीद से पहले भली प्रकार जाँच लें कि वह कहीं बन्धक तो नहीं है, बैंक ऋण में तो नहीं है या किसी अन्य प्रकार विवाद से तो घिरी नहीं है। सौदा होने पर सबसे पहले अपनी भूमि को

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

भू-कानून दे पाएंगे ये अधिकारी?

उत्तराखण्ड में भू-कानून को लेकर सरकार सख्ती की बात कर रही है लेकिन पूर्व आईएएस अधिकारी सुरेन्द्र सिंह पांगती के बयान के बाद जबर्दस्त हलचल है। खुलासे हो रहे हैं कि भू-कानून की बात करने वाले अधिकारियों की ही काफी जमीन है। जो लोग भूमि सुरक्षा और पहाड़ की बात कर रहे हैं वह सबसे पहले अपनी जाँच करवाएं।

एस.एस.पांगती ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार सुधरी नहीं तो जनता सबक देगी। जनता बेहद आक्रोश में है क्योंकि जिन अधिकारियों ने अपने व अपने लोगों के नाम पर बेसकिमती जमीनें कर ली हैं, उसका हिसाब देना चाहिये। पहाड़ की जनता सबकुछ समझ चुकी है। सरकार को ऐसे अधिकारियों पर सख्ती से एक्शन लेना चाहिये ताकि जनता को विश्वास हो सके। श्री पांगती कहते हैं कि जितने भी बड़े-बड़े रिजॉर्ट बने हैं उनमें सब बाहर के लोग हैं, जनता और सरकार को खुलकर सामने आना चाहिये अन्यथा भूकानून के नाम पर यह छलावा मात्र है। भू-कानून के नाम पर दिखावा नहीं होना चाहिये।

भू-कानून व मूल निवासी के नाम पर पूरा उत्तराखण्ड जागृत दिखाई दे रहा है क्योंकि लोग समझ चुके हैं कि पर्वतीय प्रदेश के नाम पर राज्य बनने से पहले जितनी लूट होती रही है, उससे ज्यादा लूट प्रदेश बनने के बाद हुई है। पहाड़ के विकास का सपना दिखाकर कौन किस प्रकार से अपना उल्लू सीधा करता है यह सब कारनामे दिखाई भी दे रहे हैं। हरे-भरे जंगलों के बीच लीज पर लम्बा इलाका किनके नाम पर है और कौन-कौन लोग इसमें संलग्न हैं, यह सब जाँचने की बात है। कृषि भूमि पर अन्य कार्यों के लिये किसका घेरा है? कारखानों के नाम पर किसका कब्जा है? बाजार में कई मकानों बराबर किनके गोदाम हैं? साफ-सुथरा बनने के लिये शिक्षा व चिकित्सा का कारोबार दिखाने वाले वास्तव में क्या कर रहे हैं? राजनीति की आड़ में फाइलें इधर-उधर सरकाने और उनमें काम करवाने के नाम पर कौन स्टोन क्रेशरों से लेकर अन्य धन्धों में लिप्त हैं?

भू-कानून की आवाज के रूप में जिस प्रकार से जागरण हुआ है, इसका परिणाम सुखद हो तभी देवभूमि का न्याय पूरा हो सकता है।

फसक

दाज्यू, आलकल डिजिटल अरेस्ट हो जा रहे ठैरे

फनफनाने के लिये हर तरह की नंग्योई होने लगी बल

दाज्यू, जमाना क्याप्प हो गया है। आलकल तो डिजिटल अरेस्ट हो जा रहे ठैरे। खटीमा में एक पूर्व सैनिक से अपराधिकयों ने वीडियो कॉल कर 14.39 लाख रुपये ठग लिये। ठग लोग वीडियो कॉल कर अपनी बातों में फंसाकर च्वेड़ा-च्वेड़ कर रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में एसटीएफ की साइबर पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट कर 45. 40 लाख वसूलने वाले को लखनऊ से दबाचा है। काशीपुर निवासी पीड़ित युवक ने पुलिस में मामला दर्ज कर बताया था कि मोबाइल वट्सएप काल कर उसे क्राइम ब्रांच का हवाला देते हुए फंसा दिया गया।

दाज्यू, डिजिटल तो क्या आजकल हर तरह का घेरा आराम से डाला जाने लगा है। किच्छा में बाट-माप विभाग की सहायक नियन्त्रक रिश्वत लेते हुए पकड़ी गई। लाइसेंस बनाने के लिये दस हजार की मांग की थी बल। हल्द्वानी के चौफला चौराहे पर चैकिंग के दौरान वाइक सवार युवकों के पास मूंगफली के थैले से 1. 1 किलो चरस पकड़ी गई।

लालकुआ में बिना कनेक्शन के ही पानी का बिल भेज दिया गया बल। ऐसे में नाराज लोगों ने अवर अभियन्ता को ज्ञापन सौंपा। दाज्यू, इस रंगीन दुनिया में सही-गलत को समझना भी कठिन होता जा रहा है। ऊपर से फनफनाने के लिये हर तरह की नंग्योई होने लगी है बल। इंस्टाग्राम पर फालोअर बढ़ाने के लिये एक महिला ने दरोगा की वर्दी का दुरुपयोग किया। वह वर्दी पहनकर अश्लील रील बना चुकी थी। पकड़े जाने पर पुलिस से हाथ जोड़ माफी मांगी।

रुद्रपुर में एक महिला अपने ससुर को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर तीन करोड़ मांग रही थी बल। दाज्यू, आरोपित पुत्रवधू और उसके भाई के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज हुई है। अब तक पीड़ित से 47 लाख वसूल लिये हैं।

दाज्यू, सड़क चलते कोई कभी भी फनफनाने लगता है। ऐसा ही हल्द्वानी शहर में रूट डायवर्जन के दौरान हुआ जब एक छात्र नेता रौब दिखाने लगा। फिर क्या था सिपाही ने तड़ाम्म से झांपड़ मार दिया। दाज्यू, पूछो मत..... आजकल छात्र नेता तमीज से ज्यादा तमाशा करने लगे हैं। निगरगंड झप्पू सिंह सुबह ही घर से निकल जाता है बल और दिनभर डिग्री कालेज में चक्कर लगाता रहता है। कालेज प्रशासन की दम खुशक हो चुकी है लेकिन उसके खिलाफ पुलिस नहीं बुला पा रही है बल। दाज्यू, ऐसी फनफनाहट को क्या कहा जाए?

काशीपुर में नगर निगम क्षेत्र का डोर-टू-डोर कूड़ा प्रबन्धन का काम देख रही कम्पनी के प्रबन्धक व उप प्रबन्धक पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। दोनों पीड़ित पूर्व सैनिक हैं। भगवान सबकी भली करें।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

हसीना ने यूनुस शासन को फासीवादी बताया

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने देश के अन्तरिम प्रशासन पर तीखा हमला करते हुए इसके मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर आतंकवादियों और कट्टरपंथियों को बिना रोक-टोक के काम करने की अनुमति देने वाला फासीवादी प्रशासन चलाने का आरोप लगाया। हसीना लन्दन में अवामी लीग के विदेशी समर्थकों की एक सभा को डिजिटल तौर पर सम्बोधित कर रही थीं।

भारतीय मूल के परिवारों पर नस्लीय टिप्पणी

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल का अमेरिकी परिवार उस महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर विचार कर रहा है जिसने एयरलाइन शटल बस में उन पर नस्ली टिप्पणियां की थी। उन्होंने कहा कि उनकी पीढ़ी उनके माता-पिता की पीढ़ी से भिन्न है और वे सिर झुकाकर चुप नहीं बैठेंगे। यह घटना यूनाइटेड एयरलाइंस की शटल बस में तब घटी जब 50 वर्षीय फोटोग्राफर परवेज तौफीक अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ मैक्सिको से लॉस एंजिलिस जा रहे थे।

सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता पर काम हो

नई दिल्ली। विद्रोहियों द्वारा सीरिया में राष्ट्रप्रति बशर असद की सरकार को सत्ता से अपदस्थ किए जाने के बाद भारत ने देश में स्थिरता लाने के लिए सीरिया की अगुवाई वाली समावेशी तथा शान्तिपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरिया में जारी घटनाक्रमों पर नजर रख रहा है।

द.कोरिया के राष्ट्रपति पर लगाया यात्रा प्रतिबंध

सियोल। दक्षिण कोरिया के न्याय मंत्रालय ने राष्ट्रपति यून सूक येओल की विदेश यात्रा पर प्रतिबन्ध लगा दिया, क्योंकि अधिकारी पिछली सप्ताह उनके द्वारा की गई अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा के सम्बन्ध में विद्रोह और अन्य आरोपों की जाँच कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस से यूएस कैपिटल तक मार्च

वाशिंगटन। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले के विरोध में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) से यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) तक मार्च निकाला। हमें न्याय चाहिये और हिन्दुओं की रक्षा करें जैसे नारे लगाते हुए शान्तिपूर्ण प्रदर्शनकारियों ने निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन और नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश की नयी सरकार से हिन्दुओं की सुरक्षा के कदम उठाने को कहें।

उत्तराखण्ड के.......

प्रथम पृष्ठ का शेष

चाहरदीवारी से सुरक्षित भी करें ताकि कोई कब्जा न करे। आयुक्त ने भूमि मामले में धोखाधड़ी करने वालों को कड़े निर्देश दिये हैं कि उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

लैंड यूज चेंज के 15 मामलों में जाँच चल रही

टनकपुर। तहसील में लैंड यूज चेंज के तहत कृषि भूमि को अकृषि घोषित करने के ई-चालान मामले में गड़बड़ी पाई गई है। ई-चालान के माध्यम से लैंड यूज चेंज कराने के लिये शुल्क के भुगतान का सत्यापन में 15 ई-चालान का नम्बर एक ही प्रदर्शित हो रहा है। एसडीएम आकाश जोशी ने कहा है कि इस गम्भीर मामले में जाँच के साथ ही कार्रवाई होगी।

रामनगर में भू-कानूनों को लेकर किया मंथन

रामनगर। नगर पाकि परिसर में भूकानूनों पर चर्चा और सुझाव को लेकर एसडीएम राहुल शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान भू स्वामित्व विवाद, बिक्री और खरीद से जुड़े नियमों की जटिलता और भूमि लेनदेन में पारदर्शिता की आवश्यकता जैसी कई समस्याओं पर चर्चा की गई। हितधारकों की प्रक्रियाओं को सरल बनाने, स्थानीय निवासियों के अधिकारों की सुरक्षा निश्चित करने और पर्यावरण संरक्षण के साथ सन्तुलित विकास के उपाय लागू करने के सुझाव दिए।

काशीपुर में किसानों और उद्यमियों के साथ मंथन

काशीपुर। भू-कानून को लेकर किसानों और उद्यमियों के बीच मंथन हुआ। भ्रम की स्थिति दूर करने के लिये प्रशासन ने यह बैठक करवाई। एसडीएम अभय प्रताप सिंह व तहसीलदार पंकज चन्दोला ने भू कानून पर किसानों और उद्यमियों से सुझाव मांगे। किसान नेता कुलदीप सिंह ने कहा कि सरकार को भू-कानून को लेकर अपनी मंशा स्पष्ट करनी चाहिये।

मुख्य सचिव ने हर स्तर के सुझाव लेने को कहा

देहरादून। सख्त भू-कानून को लेकर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए हर तहसील से आई रिपोर्ट का गहन विश्लेषण करने के निर्देश दिये। उन्होंने समाज के हर वर्ग से सुझाव लेने को कहा। इसमें एसडीएम की भूमिका को अहम बताया।

कांग्रेस ने स्थिति स्पष्ट करने की मांग की

खटीमा। कांग्रेस पदाधिकारियों ने भू अध्यादेश को लेकर सरकार से इसका एजेंडा किसानों और आम जनता के समक्ष स्पष्ट रूप से रखने को कहा है। ताकि पता चल सके कि अध्यादेश में लोगों को क्या लाभ होगा। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरेन्द्रसिंह लाडी के नेतृत्व में एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है। यह ज्ञापन सौंपा गया।

शीतकालीन पर्यटन

औली से नीती तक शुरू की सफारी

प्रेम सिंह फोनिया

उत्तरकाशी। शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये स्थानीय युवाओं ने इस बार ऐतिहासिक पहल की है। इसके तहत युवाओं ने औली से नीती गाँव तक के लिये सफारी वाहनों से सेवा शुरू कर दी जिससे पर्यटकों में उत्साह है।

शीतकाल में नीती घाटी में पर्यटन गतिविधियां कम हो जाती हैं लेकिन बर्फबारी से यहाँ का दृश्य मनमोहक होता है। ऐसे में चाहने वाले पर्यटक भी मन मसोच कर रह जाते थे परन्तु इस बार सफारी यात्रा शुरू होने से शीतकाल यात्रा को प्रोत्साहन मिला है। औली से नीती तक पर्यटकों को सफारी से ले जाने के लिये युवाओं ने पहले ही तैयारी कर ली थी। बीच में पड़ने वाले स्टेशनों के बारे में बताते हुए बाबा बर्फानी के दर्शन करवाने के लिये युवाओं ने बेहतर शुरूआत की है। इससे आने वाले समय में और भी ज्यादा उम्मीदें हैं।

स्थानीय युवा अंशुमान बिष्ट्द दिव्य दर्शन फोनिया, देवेश डुंगरियाल, शैलेन्द्र रावत आदि ने यहाँ सफारी शुरू की है। इसके अलावा होम स्टे की व्यवस्था भी लोगों ने कर रखी है ताकि पर्यटकों को भोजन व ठहरने की सुविधा मिल सके। शीतकाल में आने वाले पर्यटकों के लिये औली से नीती की यात्रा बेहद रोमांचकारी बनती जा रही है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

उत्तराखण्ड जनसांख्यकीय परिवर्तन प्रदेश ही नहीं देश के लिये भी घातक

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड सरकार ने मैदानी व पहाड़ी जिलों में हो रहे जनसांख्यकीय परिवर्तन (डेमोग्राफिक चेंज) को लेकर जिला प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। जिला व पुलिस प्रशासन को जिला स्तरीय समितियों के गठन, अन्य राज्यों से आकर बसे व्यक्तियों के सत्यापन व धोखा देकर रह रहे विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव से ठीक पहले सरकार के इन निर्देशों को समाज व राजनीति के एक वर्ग की ओर जिस तरह के प्रतिरोध की आशंका व्यक्त की जा रही थी, वैसा कुछ दिखने में नहीं आया। इसकी दो वजह है। एक तो सरकार के इस कदम के पीछे ठोस कारणों की मौजूदगी व दूसरे विरोध करने पर सियासी नुकसान की आशंका। कारण कुछ भी हो लेकिन यह स्पष्ट है कि सीमान्त राज्य उत्तराखण्ड में नियोजित या अनियोजित ढंग से हो रहा जनसांख्यकीय परिवर्तन बड़े खतरे की आहट है।

राज्य व देश हित चाहने वाला कोई भी व्यक्ति इसे नकार नहीं सकता। राज्य गठन के बाद से कांग्रेस व भाजपा की सरकारें आई व गईं, लेकिन इस आहट को सुनने में नाकाम रही या सियासी लाभ के लिए जानबूझ कर नकारती रही हैं। अब जब स्थिति विकट होने के कगार पर है, तब भी सरकार जिला प्रशासन व पुलिस को सतर्क रहने तक की ही हिदायत दे पाई है। देश में कहीं भी भूमि खरीदने के मूल अधिकार की रक्षा करना बेशक सरकार का दायित्व है लेकिन किसी मूल अधिकार के दुरुपयोग को रोकना भी तो सरकार का ही दायित्व होगा। इसका बोध राज्य सरकार को अब हुआ है।

सीमान्त राज्य उत्तराखण्ड में जनसांख्यकीय परिवर्तन प्रदेश ही नहीं देश के लिए भी घातक हो सकता है, यह सरकार को भले देर से ही सही, पर समझ में तो आया। अब भी अगर ठोस निगरानी शुरू कर दी जाए तो स्थिति बदतर होने से बच सकती है। जनसांख्यकीय परिवर्तन कोई यकायक होने वाली प्रक्रिया नहीं है। उत्तराखण्ड में इस परिवर्तन की नींव अविभाजित उत्तर प्रदेश के दौरान पड़ गई थी। उत्तराखण्ड राज्य गठन के बाद इस दिशा में तेजी आई है किन्तु सरकारें जाने-अनजाने इसकी अनदेखी करती रही। प्रदेश में यह परिवर्तन दो तरह का है। देहरादून, हरिद्वार व ऊधमसिंह नगर जैसे जिलों में बाहरी प्रदेशों से लोग विभिन्न कारणों से आ बसे हैं। यह प्रक्रिया सामान्य है लेकिन एक समुदाय विशेष के लोग इन जिलों के क्षेत्र विशेष में जमीन खरीद कर या अतिक्रमण कर भी भारी संख्या में बसे हैं। इस कारण वहाँ पहले से बसे लोगों ने अपनी भूमि औने-पौने दामों पर बेच कर अन्यत्र बसना उचित समझा। अब इन जिलों के कुछ क्षेत्रों में मिश्रित जनसंख्या के बजाय समुदाय विशेष की किलेबन्दी जैसी दिखने लगी है। पिछले कुछ वर्षो में यह प्रवृत्ति पहाड़ी जिलों में भी दिखाई दी है। जहाँ पहाड़ से लोगों का पलायन रोकना सरकार के लिए चुनौती बना है, वहीं यह भी देखने में आया है कि पहाड़ के कस्बाई क्षेत्रों में समुदाय विशेष के लोग बसने में विशेष रुचि ले रहे हैं। पौड़ी गढ़वाल, चमोली, नैनीताल, उत्तरकाशी में इस तस्वीर को देखने के लिए कोई खोजबीन करने की जरूरत नहीं है। यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड में बसने में रुचि लेने वालों में विदेशी भी शुमार हैं। क्षेत्र विशेष में समुदाय विशेष की नियोजित बसावट को रोका जाना क्यों जरूरी है, इसके तीन ठोस आधार हैं। सबसे पहले देवभूमि के मूल स्वरूप को बचाना आवश्यक है। देवभूमि के मूल चरित्र के कारण जो कभी यहाँ आए भी नहीं, वे भी इस स्वरूप को संरक्षित रखना चाहते हैं। वहीं, जो भौतिकवादी सोच के लोग हैं, वे भी राज्य की आर्थिकी के लिए इस स्वरूप को कायम रखना चाहते हैं। सब जानते हैं कि उत्तराखण्ड के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तीर्थाटन ही है। सरकार के इस कदम का एक और ठोस आधार देश की सीमाओं की सुरक्षा भी है। नेपाल व चीन की सीमा से लगने वाले इस राज्य की सीमाओं में मूल निवासियों के पलायन को रोकना जितना जरूरी है उतना ही तर्कसंगत बाहर से आकर बसने वालों की स्क्रीनिंग करना भी है। इस राज्य के सीमान्त जिलों के हर गाँव-परिवार के स्वजन सीमाओं पर सैनिक के रूप में तैनात है। जो गाँवों में हैं वे बिना वर्दी के समर्पित सैनिक हैं। इनकी भूमिका को सेना द्वारा सराहा जाता रहा है। इन क्षेत्रों में सुनियोजित बाहरी बसावट की ओर यूं ही आँख मूंद कर नहीं बैठा जा सकता है। चंद वोटों की लालच में ऐसा होते रहने दिया गया तो सीमा पर संकट खड़ा हो जाएगा। आने वाली पीढ़ियां वोटखोर नेताओं को कभी माफ नहीं करेंगी। राज्य की बीजेपी सरकार को अब इस बात की चिन्ता सताने लगी है कि जल्दी ही कोई कानून नहीं बनाए गए तो राज्य का मूल देव स्वरूप कहीं बिगड़ न जाए। सरकार ने भू कानून में सुधार के लिए एक समिति भी बनाई हुई है। जिसके द्वारा दिए गए सुझावों पर सरकार को अमल करना है। उत्तराखण्ड राज्य को बने हुए 24 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन राज्य के गाँवों से पलायन एक बड़ी समस्या बना हुआ है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस राज्य में आज भी सैकड़ों गाँव वीरान होते जा रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और बेहतर जीवन-स्तर की तलाश में लोग लगातार पहाड़ों से मैदान की ओर जा रहे हैं। प्रदेश में जनसांख्यिकीय बदलाव को देखते हुए सरकार चिन्तित नजर आ रही है। मैदानी जनपदों के साथ ही जिस तेजी से पर्वतीय जनपदों में भी समुदाय विशेष की जनसंख्या बढ़ी है, उसे लेकर सरकार वृहद स्तर पर सत्यापन अभियान चलाने की तैयारी कर रही है। राजधानी देहरादून समेत प्रदेश के चार जिले हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल में समुदाय विशेष के लोगों ने पिछले 10-11 वर्षों में न केवल ताबड़तोड़ जमीनें खरीदीं बल्कि उनकी बसावट भी उतनी तेजी से बढ़ी है। सीमान्त क्षेत्रों में भी समुदाय विशेष की जनसंख्या में लगातार वृद्धि सामने आई है।

ज्योतिष की बातें- 209

28 दिसम्बर 2024 को शुक्र मित्रराशि कुम्भ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर पाप मित्रग्रह शनि से युति तथा क्रूर ग्रह मंगल की ख़ष्टि भी पड़ेगी अतः शुक्र अत्यन्त बलवान रहेगा लेकिन शुक्र में जिद्द और क्रूरता भी रहेगी। शुक्र विवाह, जीवन साथी, दाम्पत्य जीवन, कामेच्छा, काव्य, सौंदर्य, नेत्र, वाहन, शारीरिक सुख, भोग विलास, धन, वस्त्र आभूषण, रत्न आदि का कारक होता है। फलदीपिका के अनुसार शुक्र केवल 6, 7 व 10 वें स्थान पर अशुभ होता है शेष स्थानों पर शुभ होता है इसलिए अगले 30 दिन तुला, कर्क, मिथुन, मेष मीन, कुम्भ, मकर, धनु व वृश्चिक राशि के जातकों के लिए अपने कारक विषयों में शुक्र सामान्य शुभ होगा तथा शेष राशि के जातकों को अभी धैर्य रखना चाहिए।

यहाँ पर केवल शुक्र के गोचर का विचार किया गया है अन्य ग्रहों का नहीं, इसलिये यह स्थूल फल है। जातक के लिए सूक्ष्म विवेचन उसकी जन्मकुण्डली महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 100

चिकित्सा में शोषण

चिकित्सा में शोषण-

आजकल किसी भी डॉक्टर के पास जाएं इलाज के लिए, तो कम से कम 2000 का बिल तो बनता ही है। डॉक्टर की फीस के अतिरिक्त सामान्य रूप से दवाइयों पर 30प्रतिशत का कमीशन डॉक्टर का होता है और जब डॉक्टर पैथोलॉजिकल टेस्ट के लिए लिखता है तो उसमें भी 30-40 प्रतिशत तक कमीशन डॉक्टर को पहुँचता है। इसके लिए डॉक्टर के द्वारा निर्धारित दुकान से ही दवा लेनी पड़ती है और टेस्ट भी निर्धारित लैब से ही कराने पड़ते हैं। इस प्रकार अपना अधिक से अधिक कमीशन के लिए डॉक्टर निश्चित रूप से अनावश्यक दवाइयाँ भी लिखते हैं और अनावश्यक टेस्ट के लिए भी बाध्य करते हैं। डॉक्टर के पास जाते ही 2 हजार से 5 हजार तक का बिल पहले दिन ही बन जाता है। इसके बाद डॉक्टर रोगी की आर्थिक स्थिति को देखते हुए रोगी को विभिन्न प्रकार से भयभीत करते हुए आगे की बड़े-बड़े इलाज के लिए समझाता है जिसका खर्च 20-30 हजार से लाखों रुपए तक पहुँचता है। देखा यह भी जाता है कि चाहे साधारण सर्दी जुकाम हो अथवा अन्य कोई गम्भीर बीमारी हो दोनों पर समान रूप से डॉक्टर इलाज करते हैं और लाखों का खर्च करवा देते हैं। एलोपैथिक डॉक्टरों की समान ही अब आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक डॉक्टर भी इसी प्रकार का व्यवहार करने लगे हैं।

इस प्रकार के शोषण का एक ही उपाय बचता है कि जिसे सरकार झोलाछाप डॉक्टर कहती है उनसे ही इलाज करवाया जाए। वास्तव में कुछ अपवादों को छोड़कर ये झोलाछाप डॉक्टर ही अधिकांश जनता का 100, 50 रुपये में ही सही इलाज कर देते हैं ।

मेरे विचार से मेडिकल के एमबीबीएस जैसे डिग्री कोर्स के अतिरिक्त अन्य दो-तीन वर्ष के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स कम खर्चे में चलाए जाना चाहिए जिस प्रकार से टेक्निकल फील्ड में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स चलाए जाते हैं ।

इसी के साथ ही सम्यक् विचार नामक इस स्थायी स्तम्भ के 100 अंक पूरे हो चुके हैं । मेरे विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है फिर भी जो सहमत हों उन्हें इन विचारों का प्रचार-प्रसार करना चाहिए ।

-सरल

कहानी

खड़कू मासाप

दीवान सिंह कठायत

रोज-रोज मोबाइल पर आने वाले अनगिनत विभागीय सूचनाओं के आनलाइन प्रत्युत्तर, अध्ययनरत बच्चों के तरह-तरह के परिचय पत्र-कार्ड बनाने, आनलाइन फार्म भरने, यथासमय दैनिक उपस्थिति व एमडीएम सूचना भेजने सहित अन्य सन्देशों का सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में त्वरित सम्प्रेषण से व्यथित खड़क सिंह मास्टर साहब, जिन्हें स्थानीय लोग खड़कू मासाप उपनाम सम्बोधन से जानते थे, आज अत्यन्त असामान्य हो गये।

कक्षा कक्ष में दाँये हाथ से सिर पकड़ बाँये हाथ को मेज पर टिकाते हुए वह बड़बड़ाने लगे। दो माह पूर्व साथी शिक्षक के स्थानान्तरण के पश्चात उनके व्यवहार में आ रहे परिवर्तन से बच्चे वाकिफ तो थे लेकिन मासाप के दिन-प्रतिदिन बदलती आदतों का असल कारण उनकी समझ से बाहर था। मासाप मोबाइल पर अंगुलियाँ चलाते हुए बड़बड़ाते रहते और बच्चे कुछ जानना-पढ़ना चाहते तो उन्हें बुरी तरह झिड़क देते। खामोश हुए विद्यार्थियों को दुबारा मासाप से पूछने की हिम्मत न हो पाती। वे अपनी पुस्तकों से कापियों पर कुछ उतारते हुए समय काटने का यत्न करते। इसी तरह स्कूल में दिन कटते जा रहे थे। विगत वर्षों तक बड़े मनोयोग से पढ़ाने वाले शिक्षक का यों हो रहा व्यवहार परिवर्तन, बच्चों के लिए पहेली सा बन गया था।

अचानक स्कूल के पिछवाड़े बनी हुई नयी सड़क पर बाइक के रुकने की आवाज सुनाइ दी और जींस-टी सर्ट पहने एक युवा विद्यालय परिसर में दाखिल हो खड़कू मासाप के सम्मुख पहुँचकर 'गुड मॉर्निंग सर' कहते हुए, खड़े हो गये। एक अजनबी के यों अचानक अभ्युदय से मासाप सकपका गए और हकलाते हुए नमस्कार साब कह, हाथ जोड़ कर खड़े हो गये। अजनबी युवा द्वारा जब बताया गया कि, वह इस विद्यालय में नव नियुक्त होकर आए शिक्षक हैं तब जाकर मासाप सामान्य हो पाए और युवा साथी शिक्षक को पा खशी से उन्हें गले लगा लिया तथा पास में रखी कुर्सी पर बैठने का इशारा किया। भोजन माता को एक गिलास ठण्डा पानी लाने की आवाज लगाते हुए , गरमागरम घरेलू दूध से बनी दो गिलास चाय बनाने का आदेश भी साथ ही दे दिया। पानी का गिलास 'सर' की ओर बढ़ाते हुए मासाप बोले, 'सर मैं ठैरा पुराना टीचर। हमारे जमाने में तो बस बच्चों को खूब पढ़ाना, लिखाना यही मास्टरों का काम हुआ करता था लेकिन अब? बाबाहो! हमारे बस का नहीं रहा नौकरी कर पाना। सारी सूचनाएं मोबाइल पर आती हैं और तुरन्त मोबाइल पर ही बनाकर भेजनी पड़ती हैं अन्य काम अलग।' 'किसी तरह एक डेढ़ साल नौकरी और रही है कट जाती तो बस. ...। हम लोग पुराने आदमी ठैरे और अब उमर भी हो गई। न ढंग से देख सकता हूँ न समझ पाता हूँ न मोबाइल पर जल्दी से, ढंग से काम कर पाता हूँ। आप तो ये सब काम इसमें कर लेंगे ना?' 'अरे हाँ- हाँ हेड साहब! मैं सब सम्भाल लूंगा यह तो मेरे लिए बांए हाथ का खेल समझो। डीएलएड करने से पूर्व मैं प्राइवेट कम्पनी में कम्प्यूटर आप्रेटर था।'

खड़क सिंह मासाप ने ऊपर की ओर देखकर ईश्वर को लाख-लाख धन्यवाद दिया कि, अब उसने ऐसा होशियार साथी शिक्षक उन्हें दे दिया है। मासाप ने नव नियुक्त सर को अपने मकान में ही मुफ्त में कमरा उपलब्ध करवा, खुश रखने का जतन करते हुए सारे मोबाइल पर आने-जाने व किये जाने वाले दैनिक क्रियाकलाप उन्हें सौपकर, फिर से उसी पुराने समर्पित लहजे में, तनावमुक्त होकर बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। खड़कू मासाप को पुनः पुरानी लय में देख बच्चों ने भी अब सुकून सा पा लिया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सड़क पूर्व सर्वे के अनुसार बनाई जाए

खटीमा। एनएच द्वारा मझोला से बिरहनी सितारगंज तक बनायी जा रही सड़क को पूर्व सर्वे अनुसार फोर लेन सड़क बनवाने की मांग को लेकर सुनपहर के किसानों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कहा कि किसानों के खेत से होकर सड़क बनायी जा रही है, इससे काफी किसान प्रभावित हो रहे हैं। उनकी मांग है कि उत्तराखण्ड की सीमा में फोनलेन सड़क मेहरवान नगर के उत्तर दिशा से बनाई जाए जिसका पूर्व में विभाग द्वारा सर्वे भी किया जा चुका है।

स्टांप पर प्लॉट बेचने पर सख्ती

रुद्रपुर। एसएसपी मणिकान्त मिश्रा ने अधीनस्थों के साथ बैठक कर जिले में प्रॉपर्टी डीलर्स को चिन्हित करने के निर्देश दिये जो गरीबों को आशियाना बनाने का सपना दिखाकर राजस्व हानि के साथ साथ ठगी कर रहे हैं। ऐसे लोग सौ-सौ रुपये के स्टाम्प पर भूमि को बेच रहे हैं। साथ ही गरीबों के साथ ही सरकार के राजस्व की चोरी कर रहे हैं।

ताली-थाली बजाकर किया प्रदर्शन

बाजपुर। 20 गाँव की 58.38 एकड़ भूमि के सरकार द्वारा छीने गए भूमिधारी अधिकारों को लेकर बाजपुर तहसील परिसर में चल रहे भूमि बचाओ आन्दोलन को 500 दिन से ज्यादा हो चुके हैं। गुस्साए लोगों ने नगर में ताली थाली बजाकर प्रदर्शन किया।

बाराकोट में बनेगी कार पार्किंग : अधिकारी

लोहाघाट। बाराकोट क्षेत्र में पहली कार पार्किंग बनेगी जिससे लोगों को सुविधा मिल सकेगी। विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने बताया कि क्षेत्रवासियों की मांग के अनुरूप कार पार्किंग की सौगात मिल रही है। रामलीला मंच निर्माण सहित मूलाकोट से सिमलखेत तक मोटर मार्ग निर्माण की स्वीकृति भी हो चुकी है।

गौलापार कालेज के लिये भूमि तलाशें

हल्द्वानी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने उच्चशिक्षा निदेशालय में समीक्षा बैठक के दौरान निदेशक व एसडीएम को गौलापार डिग्री कालेज हल्द्वानी शहर के लिये नई जमीन तलाशने को कहा। कहा प्रदेश में 5 कालेजों को भूमि नहीं मिल पाई है, जिसमें ये भी है।

कुविवि दीक्षांत समारोह की तैयारी

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षान्त समारोह की तैयारी होने लगी ह। इस बार नैनीताल के सिने अभिनेता और महाभारत में संजय की भूमिका निभाने वाले ललित तिवारी एवं यूजीसी के पूर्व चैयरमैन औश्र उप्र के सीएम सलाहकार प्रो.डी.पी.सिंह को मानद उपाधि दी जायेगी।

गणाई गंगोली जाम से परेशान हैं हर कोई है लेकिन सुधान की सुध नहीं

गणाई गंगोली। सेराघाट पार करते ही गणाई गंगोली कस्बे में पहुँचते ही जाम से हर कोई परेशान हो जाता है। मुख्य सड़क पर ही टैक्सी स्टैण्ड व मनमानी हरकतों से जिस प्रकार का जाम लम्बी यात्रा के वाहनों व क्षेत्रवासियों को परेशान कर रहा है, उसके लिये कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये। लगता है स्थानीय नेता मामले में इसलिये चुप्पी कर जाते हैं कि बोलकर किसी का बुरा क्यों बनें।

गणाई गंगोली पर आए दिन हो रहे जाम के कारण वाहन घण्टों तक रेंगते हुए जाते हैं। टैक्सी यूनियन ने अपनी ओर छुटपुट प्रयास किये लेकिन कभी बाजार का जोर तो कभी टैक्सी वालों का जिद सड़क पर घेरा बनाए रहती है। इस सड़क से होकर प्रतिदिन सैकड़ों वाहन जाते हैं लेकिन जिस प्रकार की दिक्कत यात्रियों को झेलनी पड़ रही है वह शर्मनाक है। सड़क को घेरकर सामान फैलाने वाले या वाहनों को आड़े-तिरसा कर खड़ा करने वालों की रोक के लिये स्थानीय स्तर पर तैयारी के अलावा प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिये।

ग्रीन गेम्स की थीम पर नेशनल गेम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए सभी तैयारियां व व्यवस्थाओं पूर्ण की जाएं। यह खेल आयोजन प्रदेश के लिए न केवल गौरव की बात है बल्कि यह प्रदेश की खेल संस्कृति और विकास को प्रोत्साहन देने का काम भी महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रीय खेल उत्तराखण्ड की खेल भूमि के रूप में भी स्थापित करेंगे। यह बातें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल की तैयारियों की समीक्षा बैठक के दौरान कही। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि खिलाड़ियों के लिए सभी सुविधाएं उच्च गुणवत्ता वाली औश्र सुगम हों। नेशनल गेम्स के समस्त आयोजन के लिए प्रत्येक विभाग से एक नोडल अधिकारी की तैनाती की जाए। खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था, खान-पान, परिवहन और आयोजन स्थल तक पहुँचने की सभी सुविधाओं का प्रबन्ध और निगरानी सुनिश्चित हो। इस अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या, विधायक उमेश शर्मा काऊ, अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर भी मौजूद थे।

नन्दादेवी कुरुड़ वापसी 1जनवरी को

थराली। बधाण की नन्दादेवी राजराजेश्वरी की उत्सव डोली 6 माह के नन्दा सिद्धपीठ देवराड़ा थराली के प्रवास के बाद आगामी 6 माह के लिये नन्दा सिद्धपीठ कुरूड़ के लिए एक जनवरी को रवाना होगी। नन्दा देवी राजराजेश्वरी मन्दिर समिति सिद्धपीठ कुरूड़ के अध्यक्ष नरेश गौड़ ने बताया है कि वैदिक गणना के अनुसार नन्दा देवी राजराजेश्वरी बधाण की उत्सव डोली की एक जनवरी को तैयारी है। कार्यक्रम के अनुसार 31 दिसम्बर को नन्दा सिद्धपीठ देवराड़ा थराली में कीर्तन भजन के साथ अन्य धार्मिक कार्यों का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद एक जनवरी को उत्सव डोली देवराड़ा से रात्रि विश्राम के लिए भेंटा गाँव पहुँचेगी। दो को भेंटा से रायकोली होते हुए चौड़ा, तीन को चौड़ा से काखड़ होते हुए सुनाऊं, 5 को पैनगढ़ होते हुए सिलोड़ी, 6 को कोठा, 7 को चिड़िंग तल्ला होते हुए आंगतोली, 8 को सैनर होते असेड़ा सिमली, 9 को नाखोली के बाद बाद कुरुड़ में पहुँचेगी।

लोकभाषा रं के संरक्षण पर कार्य

धारचूला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत लोकभाषा रं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विकसित सहायक पुस्तकों के परिमार्जन के साथ ही शब्दकोष निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रं भाषा के शब्दों को भी अन्तिम रूप प्रदान करने की बात कही गई।

राजकीय बालिका इण्टर कालेज धारचूला में कार्यशाला का शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी डी.एल.आर्य ने किया। तीन दिन की इस कार्यशाला में एससीईआरटी में कक्षा एक से पाँच तक के विद्यार्थियों के लिए विकसित सहायक पुस्तकों का परिमार्जन पर चर्चा हुई।

कार्यशाला में एससीईआरटी उत्तराखण्ड देहरादून के संयुक्त निदेशक प्रदीप रावत के साथ ही पाठ्यक्रम विभाग से सोहन सिंह नेगी, डॉ. शक्ति प्रसाद सेमल्टी और एनईपी प्रकोष्ठ के रवि दर्शन तोपाल, मनोज किशोर बहुगुणा, सचिन नौटियाल, राजेश पाठक आदि मौजूद थे। कार्यशाला में व्यास, दारमा एवं चौंदास घाटी के शिक्षकों की की टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें समन्वयक जगदीश चन्द, आभा फकलियाल थे।

धौलादेवी क्षेत्र की समस्याएं सुलझाओ

अल्मोड़ा। धौलादेवी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का निराकरण न होने से नाराज लोगों ने उपपा के बैनर पर डीएम को ज्ञापन सौंपकर आन्दोलन की चेतावनी दी।

उपपा कार्यकर्ताओं ने एसडीएम भनोली के माध्यम से डीएम को 9 सूत्रीय ज्ञापन भेजकर कहा कि दैवीय आपदा में धौलादेवी से खेती मोटर मार्ग बह गया था, जिसमें ग्रामीणों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। उन्होंने नैनी-चोगर्खा-नेलपड़ मोटर मार्ग का निर्माण कराने, विकासखण्ड के विभिन्न स्कूलों में रिक्त शिक्षकों के पदों पर तत्काल तैनाती करने, बजेला में गंगा पुल निर्माण कराने, पनुवानौला मुख्य बाजार में जाम से निजात दिलाने के लिये पार्किंग की व्यवस्था करने, सीएचसी धौलादेवी में स्टेनोग्राफी मशीन लगवाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में बसन्त खनी, चतुर सिंह आदि थे।

राष्ट्रीय खेल और सड़क चौड़ीकरण

हल्द्वानी। शहर में सड़क चौड़ीकरण का अभियान जारी है लेकिन इस बीच राष्ट्रीय खेल को लेकर उन सड़कों पर भी अभियान तेज कर दिया गया है जिनका सम्पर्क स्टेडियम से है। जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय खेलों को लेकर जो तैयारी शुरू की है उसके तहत सड़क चौड़ीकरण व सौन्दर्यीकरण के लिये रेलवे स्टेशन से वर्कशॉप लाइन व तिकोनिया चौराहे तक सड़क की पैमाइश हो चुकी है। कब्जा करने वालों को 15 दिन का समय देते हुए कहा गया है कि वह हट जाएं अन्यथा हटा दिया जायेगा। नगर आयुक्त ने टीम के साथ रेलवे स्टेशन व रोडवेज से वर्कशॉप लाइन तिकोनिया तक सर्वे कर सड़क से दोनों ओर 15-15 मीटर अतिक्रमण चिन्हित किया। सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण की जद में आ रहे सौ दुकानदारों को नोटिस दिया गया।

25 जनवरी को राष्ट्रीय खेल होने हैं, इसको देखते हुए प्रशासन ने खिलाड़ियों के आवागमन वाली सड़कों के चौड़ीकरण व सुन्दरीकरण के के लिये ताकत झोंक दी है।

बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 16 जनवरी से

रामनगर। उत्तराखण्ड बोर्ड की 10वीं और 12वीं प्रयोगात्मक परीक्षाएं 6 जनवरी से शुरू होंगी। विद्यालयी शिक्षा परिषद के सचिव विनोद सिमल्टी ने बताया कि प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 फरवरी तक चलेंगी। लिखित परीक्षाएं फरवरी अन्तिम सप्ताह से शुरू हो सकती हैं।

सिविल सेवा में आवेदन का अवसर

देहरादून। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग से उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य सिविल अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा (लोअर पीसीएस) आवेदन शुरू कर चुका है। आयोग के सचिव गिरधारी सहि रावत ने बताया कि लोअर पीसीएस भर्ती के लिये चार जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

गुंजी से आगे सड़क बनी

धारचूला। आदि कैलास यात्रा अब और सरल इसलिये हुई क्योंकि बीआरओ ने गुंजी से ज्योलिकांग तक 36 किमी सड़क बना दी है। इससे चीन सीमा तक जाने में सेना को भी सुविधा होगी।

परिक्रमा

राजेन्द्र सिंह पाल नहीं रहे

अस्कोट। देश की ओर से तीन युद्ध लड़ने वाले खोलियागांव निवासी पूर्व सैनिक राजेन्द्र सिं हपाल का 82 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सेना के ईएमई रेजीमेंट में तैनाती के बाद उन्होंने 1962, 1965 व 1971 में हुए युद्ध में भाग लिया। उनके निधन पर क्षेत्रवासियों ने शोकसभा कर वीर सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ.दिनेश पाठक का निधन

हल्द्वानी/थल। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के पूर्व मैनेजर 68 वर्षीय डॉ.दिनेश पाठक का हृदयगति रुकने से निधन हो गया। बैंकिंग सेवा के अलावा लेखन कार्य में अनवरत जुटे पाठक जी के असमय निधन अपूरणीय क्षति है। वह अपने पीछे पुत्र अभिषेक सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। पिघलता हिमालय परिवार स्व. दिनेश पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हल्द्वानी में सड़क चौड़ीकरण के लिये दुकानों का ध्वस्तीकरण कार्य

हल्द्वानी। महानगर का पूरा सिस्टम बदलने जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण व चौराहों का फैलाव सहित जितना कुछ होना है उसके लिये पहले तोड़फोड़ जरूरी है। इस क्रम में प्रशासन अपनी पूरी युक्ति के साथ जुटा हुआ है। शहर बचाने सहित तमाम दावे करने वाले नेता चुप हो चुके हैं क्योंकि उन्हें पता है चाहे कितनी ही तोड़फोड़ है उनपर असर नहीं होगा। बड़े नेता और व्यापारी पुरानी हल्द्वानी से हटकर अपने आवास, गोदाम व अन्य निर्माणों को पहले ही करवा चुके हैं। इनकी पकड़ इतनी है कि हल्द्वानी में क्या होने वाला है वह पहले से तैयार हैं। ऐसे में प्रभावित सिर्फ वह लोग हैं जिनकी रोजी-रोटी का रास्ता सिर्फ शहर की पुरानी दुकान थी।

इस बीच मंगल पड़ाव से रोडवेज स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण के तहत नगर निगम ने निगम के स्वामित्व वाली 14 दुकानों को तोड़ा है। निगम ने इन दुकानदारों को मंगल पड़ाव में अस्थायी दुकानें आवंटित की है। इधर चौड़ीकरण की जद में आ रही कुछ अन्य दुकानों का मामला हाईकोर्ट में चल रहा है, जिस कारण इन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रुकी है। जिला प्रशासन ने डहरिया में आईटीआई निदेशालय के समीप अतिक्रमण चिन्हित कर अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया है। बताया जा रहा है कि करीब बीस खोखे, दुकानें कब्जा कर बनाई गई हैं। ये दिये गये समय पर नहीं हटी तो इन्हें ध्वस्त किया जाएगा।

प्रभात उप्रेती का लेखन किसी वाद से प्रेरित नहीं

हल्द्वानी। इस घूमती दुनिया में प्रभात उप्रेती का साहित्य, सम्वाद और उनकी लेखन यात्रा के 6 दशक विषय पर डहरिया स्थित आनन्दा एकेडमी स्कूल में संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में वक्ताओं ने प्रभात उप्रेती के साहित्य और उनके लेखन पर अपनी बात रखी। इस दौरान उनका नागरिक अभिनन्दन भी किया गया। प्रभात उप्रेती के लेखन पर संगोष्ठी और उनके नागरिक अभिनन्दन का आयोजन क्रिएटिव उत्तराखण्ड, म्यर पहाड़ और समय-साक्ष्य प्रकाशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

प्रभात उप्रेती के साहित्य पर बोलते हुए कथाकार ओमप्रकाश गंगोला ने कहा कि उप्रेती के लेखन में एक प्रवाह है। वह किसी वाद से प्रेरित नहीं होता और न ही पाठकों को किसी वाद के लिए प्रेरित करता है। वह निरपेक्ष भाव से लिखते हैं। जैसा उन्होंने देखा, उसे ही यथार्थ में अभिव्यक्त करते हैं। उप्रेती को हमेशा सामाजिक विषमताएं उद्वेलित करती हैं। जिसे वे अपने लेखन में उतारते हैं। यही उनके लेखन की सबसे बड़ी विशेषता है।

इतिहासकार तारा चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि प्रभात उप्रेती हमेशा ऊर्जा से भरे हुए व्यक्तित्व के स्वामी हैं। उप्रेती का अपना जीवन ही एक निबन्ध है। उनके पालिथीन हटाओ अभियान को ही देखें तो वह एक प्रकार की साहित्य रचना की तरह दिखाई पड़ता है। उनमें किसी प्रकार का दुराग्रह नहीं है। दुराग्रही ना होना ही प्रभात उप्रेती को एक अलग इंसान बनाता है। वरिष्ठ पत्रकार और नैनीताल समाचार के सम्पादक राजीव लोचन शाह ने कहा कि एक लेखक के तौर पर प्रभात उप्रेती का लेखन सभी को प्रभावित करता है, उप्रेती बिना किसी बन्धन के लिखते हैं।

इस दौरान प्रभात उप्रेती के साथ एक बातचीत भी रखी गई थी। उनके साथ बातचीत वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन रौतेला ने की। जिसमें उनकी लेखन यात्रा और उनके जीवन के अनुभवों पर सवाल पूछे गए। जिस पर उन्होंने बहुत बेबाकी और अपने मजाकिया अंदाज में जवाब दिए। प्रभात उप्रेती के लेखन यात्रा पर डा. प्रयाग जोशी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जगदीश जोशी, पीसी तिवारी, तारा पाठक, प्रोफेसर भूपेन सिंह ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान रिस्की पाठक, हेम पन्त, प्रवीण कुमार भट्ट, विमल उप्रेती, डा. पारितोषिक उप्रेती, निर्मल नियोलिया, डा. नरेन्द्र सिजवाली, हरीश पन्त, भूपेन्द्र बिष्ट, सुनीता भाकुनी, माया बिष्ट, मुकेश कोहली, डा. पंकज उप्रेती, दिनेश कर्नाटक, पीयूष जोशी, नरेन्द्र बंगारी, रीता उप्रेती, अमृता पाण्डे, बसन्त पाण्डे, उमेश भट्ट, भास्कर उप्रेती, त्रिभुवन बिष्ट आदि अनेक लोग थे।

कार्यक्रम का संचालन दयाल पाण्डे, उमेश तिवारी विश्वास और अनामिका जोशी ने संयुक्त तौर पर किया।

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

मो.न. 8958525979, 9411134775

नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अलखनाथ पूजन में उमड़े श्रद्धालु, बला में भागवत के साथ रात्रि जागर

मुनस्यारी। सीमान्त क्षेत्र में अलखनाथ पूजन पर श्रद्धालुओं का तांता लगा। क्षेत्र के विभिन्न गाँवों में अलग-अलग तिथियों में यह आयोजन किये गये। ग्राम मगर बला से लेकर जीतिया तक खुदा पूजा के अवसर पर दूर-दूर से श्रद्धालु पधारे। मुगल और ब्रिटिशकाल में खुदा पूरा के नाम से होने वाली भगवान शिव के अलखनाथ स्वरूप की पूजा का यह स्वरूप अद्भुत है।

ग्राम बला में जो मर्तोलियाओं का पैतृक गाँव है, इसमें दस दिन तक भव्य आयोजन हुआ। इसमें भागवत सुनने के लिये लोग जुटे। परम्परागत रूप से रात्रि जागरण व भजन संध्या हुई। अनुष्ठान समारोह के बाद विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। श्री ध्रुव सिंह मर्तोलिया, गंगा सिंह मर्तोलिया, दुर्गा सिंह, मर्तोलिया, जगत सिंह मर्तोलिया, रतन सिंह मर्तोलिया, प्रहलात सिंह मर्तोलिया सहित तमाम लोग मौजूद थे।

जीमिया ग्राम में खुदा पूजा में भक्तजनों का तांता

इसी प्रकार से दूरस्थ ग्राम जीमिया में 5 वर्ष बाद होने वाली अलखनाथ पूजा में भारी भीड़ जुटी। ग्राम निवासी गढ़वाल मण्डल के उपायुक्त नरेन्द्र सिंह क्वीरियाल सहित पुरोहित हरीश जोशी, गजेन्द्र सिंह क्वीरियाल, गणेश सिंह क्वीरियाल सहित तमाम लोग मौजूद थे। आयोजन में परम्परागत रूप से परम वृक्ष की पूजा के साथ ही मन्दिर में अनुष्ठान हुआ। देव डांगरों ने सभी को आशीर्वाद दिया।

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

के.आर. सिंह
एडवोकेट
मधुवन इन्क्लेब, रेशम बाग
कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

राहुल सिंह जंगपांगी
एडवोकेट
मधुवन इन्क्लेब, फेज-2
रेशम बाग, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

भूपेन्द्र सिंह
जंगपांगी
1525
इन्द्रानगर कालोनी
सीमाद्वार,
देहरादून

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)